मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 21 फरवरी 2020

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र,
जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	22/02/20	23/02/20	24/02/20	25/02/20	26/02/20
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	27	29	30	31	33
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	11	13	14	16	16
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	1	0	0	0	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	62	58	37	31	29
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	24	26	24	19	16
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	16	16	14	10	9
हवा की दिशा	पूर्व	उत्तर–पूर्व	पूर्व–उत्तर–पूर्व	पूर्व–उत्तर–पूर्व	दक्षिण–पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
सरसों		सरसों की फसल में दाना पकते समय 95 दिन की अवस्था पर सिंचाई करें।
लहसुन		लहसुन की फसल में 8 से 12 दिनों के अन्तराल पर सिंचाई करें।
ग्रीष्मकालीन तोरई		ग्रीष्मकालीन तोरई की बुवाई करें बुवाई हेतु उन्नत किस्में :– पूसा नसदार, पूसा चिकनी, अर्का सुजात, अर्का सुमित, पी.आर.जी–1 । एक हैक्टेयर के लिए 5 किलो बीज पर्याप्त होता है। बुवाई के समय 15 किलो नत्रजन, 25 किलो फास्फोरस व 25 किलो पोटास प्रति हैक्टेयर की दर से अन्तिम जुताई के समय खेत में डालें।
ग्रीष्मकालीन लोकी		लोकी की बुवाई करें बुवाई हेतु उन्नत किस्में :– पूसा समर, पूसा नवीन, पूसा मेघदूत, पंजाब कोमल। लोकी की बुवाई हेतु 4–5 किलो ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर के लिए पर्याप्त है। 60 किलो नत्रजन, 100 किलो फास्फोरस व 80 किलो पोटास प्रति हैक्टेयर की दर से अन्तिम जुताई के समय खेत में डालें।
पशु		दुधारू पशुओं को थनेला रोग से बचाने के लिए पशु का पूरा दूध पूर्ण हस्त विधि से निकालें।

(नौडल ऑफीसर)